।। नगर पालिक निगम, दुर्ग : बजट भाषण।।
महापौर जी का बजट भाषण
वर्ष 2025–26

<u>माननीय सभापति महोदय</u>,

सभा मे उपस्थित महापौर परिषद के सम्मानित सदस्यगण, नेता प्रतिपक्ष श्री संजय कोहले जी, विधायक प्रतिनिधि, सांसद प्रतिनिधि तथा सभी सम्मानित निर्वाचित पार्षदगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बंधु, आयुक्त श्री सुमीत अग्रवाल जी व निगम के समस्त अधिकारी–कर्मचारीगण तथा दर्शकदीर्घा में विराजमान वरिष्ठ नागरिक एवं अतिथिगण। नगर पालिक निगम, दुर्ग के हमारी शहरी सरकार के पहले बजट 2025–26 में हमारी शहरी सरकार के कार्यकाल की शुरूवात ''हमने बनाया है – हम ही संवारेंगे'' मिशन को ध्येय बनाकर दुर्ग शहर के विकास के पहियें को गति देंने निकल पड़े हैं। दुर्ग शहर की जनता के ऐतिहासिक आर्शीवाद ने मेरे अंदर का आत्मविश्वास दुगुना कर दिया हैं। साथ ही महापौर पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी का भी एहसास कराया गया है। इस जिम्मेदारी को शीरोधार्य करते हुए हमने आने वाले पांच सालो में दुर्ग शहर की जनता का माननीय मोदी जी एवं भाजपा के प्रति विश्वास का सम्मान करते हुए शहरी सरकार के विभिन्न विभाग के दायित्वों को सम्मान एवं समभाव से निभाने वाले व्यक्तित्वों को प्रभार दिया है। मेरा पूरा विश्वास हैं हमारी शहरी सरकार पूर्व के सभी शहरी सरकारों से हर मुकाम में सफल एवं श्रेष्ठ साबित होगी।

<u>माननीय सभापति जी ,</u>

शहरी सरकार के गठन पश्चात् सर्वप्रथम हमारा दायित्व आने वाले वर्ष का बजट ही है। पुराने ढर्रे, आंकड़ों का खेल, अव्यवहारिक मद एवं दो चार वर्षो के बजट को मिलाकर अंको के मायाजाल का

ताना बाना बुनकर बनाये गये पूर्व के बजट को हमने दरकिनार कर दिया हैं। भले ही नए बजट की तैयारी के लिए हमे समय कम मिला, परंतु फिर भी हमारे कुशल एवं वरिष्ठ मार्गदर्शको, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारगणों के सुझाव को सम्मिलित करते हुए आगामी वर्ष 2025–26 हेतु वास्तविक एवं व्यवहारिक बजट आपके समक्ष प्रस्तुत करने का शत्–प्रतिशत् प्रयास हमारे द्वारा किया गया है।

माननीय सभापति जी ,

पूर्ववर्ती शहरी सरकार द्वारा जो भी कार्य किया जाता है, उसका परिणाम या लेखा–जोखा जनादेश के रूप में प्राप्त होता है। पक्ष या विपक्ष जनादेश ही तय करता हैं और ये भी सत्य हैं, कि जनादेश जिसके साथ है, उसकी जिम्मेदारी हैं कि उसका सम्मान करते हुए पंचपरमेश्वर की भांति दलगत राजनीति से उपर उठकर जनहित में कार्य करें। समभाव एवं निःस्वार्थ भाव से जन आकांक्षाओं के अनुरूप जनादेश का सम्मान करें। इसलिए पिछले पांच वर्षो में पूर्ववर्ती शहरी सरकार ने दुर्ग शहर के विकास में जो भी कार्य किए हैं वो जनहित में तो सकते है परंतु कही न कही उन कार्यो में दलगत राजनीति की बू आ रही है। जिसके चलते वो पूर्ण जनादेश पाने में विफल रहें, परंतु फिर भी मैं दुर्ग शहर के उन आवश्यक कार्यो को अंजाम देने के लिए उनको धन्यवाद देती हूॅ। धन्यवाद इसलिए कि उस समय ट्रिपल इंजन के बजाय डबल या सिंगल इंजन की सरकार थी, परंतु उस समय सरकार ने जनहितैषी कार्यो को प्रमुखता से लेते हुए दलगत राजनीति से उठकर ‘‘सर्वजनहिताय् सर्वजनसुखाय्’’ के तहत् राशि शहरी सरकार को जारी किया।

माननीय सभापति जी ,

आज जनादेश हमारे साथ हैं। इतिहास रचते हुए भी हम धरातल पर हैं, क्योंकि हमारा संस्कार किसी को झुकाना नही है। आप वो दिन याद किजियें जब हमारे पथ प्रदर्शक माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जिनकी तेरह दिन की सरकार आप सभी को याद हैं, उस दौरान उन्होंने कहा था '' मुझे सत्ता का लोभ नही है, लेकिन जो कार्य हमने हाथ में लिया है, तब तक विश्राम नही करेंगे। उन्होने सदन में यह भी कहां था '' सरकारे आयेंगी जायेंगी, पार्टियॉ बनेंगी बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए''।

आज हमने या कहे भारत देश ने पूरे विश्व में अपनी उपस्थित का एहसास करा दिया है, परंतु संक्रमणकाल के इस दौर में दलगत राजनीति के चलते भारतीयता के अस्तित्व की लड़ाई में हमे अपनों का ही सहयोग नही मिल पा रहा हैं।

फिर भी महाकुंभ जैसा ऐतिहासिक आयोजन जो हुआ हैं, जिसके हम साक्षी हैं। जिसमें सारा हिंदुस्तान प्रयत्क्ष अप्रत्यक्ष रूप से दलगत राजनीति से उपर उठकर इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बना । जिसनें ये संदेश पूरे विश्व को दे दिया है, कि

''छोड़ो कल की बाते, कल की बात पुरानी''
''नया दौर हैं, नयी उमंग है, अब हैं नई जवानी''
ये है हिन्दुस्तान और हम हिन्दुस्तानी ।

अपनी प्रकृति, अपनी राजनीतिक पहचान को कायम रखिये, परंतु भारतीयता का जुनून जो महाकुंभ ने एहसास कराया है उसे भी कायम रखियें।

माननीय सभापति जी ,

साल की शुरूआत है, कार्यकाल की शुरूआत हैं, बजट में पूर्ववर्ती कार्यकाल का लेखा जोखा और भविष्य में किये जाने वाले कार्यो का लेखा जोखा का समावेश हैं। पूर्ववर्ती शहरी सरकार के सभी विकासोन्मुख कार्यो को सम्मान के साथ संज्ञान में लिया जायेगा तथा उसे मूर्त रूप दिया जायेगा।

भाजपा सरकार वादा निभाने वाली सरकार है, इसलिए चुनाव में जो हमने वादे किये थे, उसको पूरा करने का संकल्प हमारी पहली प्राथमिकता है। जिसमें महिला के नाम पर संपत्ति होने पर संपत्तिकर में 25 प्रतिशत छूट के प्रावधान, सार्वजनिक स्थलों पर पिंक शौचालय निर्माण, घायल पशु उपचार योजना के तहत् एंबुलेंस एवं पशु चिकित्सक की व्यवस्था करना, संगीत प्रेमियों के लिए दुर्ग आयडल कार्यक्रम को पुनः शुरूआत करना, महापौर सम्मान निधी योजना प्रारंभ किया जायेगा, खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना, स्मार्ट वेस्ट मॉनिटरींग सिस्टम के माध्यम से कचरा संग्रहण मार्गो की ट्रेकिंग करना आदि कार्य हमारी प्राथमिकताओं में से हैं। साथ ही दुर्ग शहर क्षेत्र में मृतप्राय शासकीय कुओं का संधारण कर उपयोग के लायक बनाया जायेगा। विभागवार हमारी कार्ययोजना संक्षिप्त विवरण ये हैः–

1. नगरीय नियोजन एवं लोक कर्म विभागः–

- 15 वे वित्त/स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत राशि रू0 05 करोड़ अनुमानित लागत से आवश्यक कुल 10 एस0एल0आर0एम0 सेंटर का निर्माण किया जायेगा जिससे शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार होगा।
- नगर उत्थान योजना के तहत् अनुमानित राशि रू0 09 करोड़ की लागत से राजेंद्र पार्क से शहीद चौक होते हुए आईएमए चौक

तक सर्वसुविधायुक्त फोरलेन रोड का निर्माण किया जावेगा। इसी प्रकार पटरीपार क्षेत्र में धमधा रोड से आदित्य नगर, सिंधियानगर होते हुए रायपुरनाका तथा हनुमान नगर से साकेत कालोनी तक कुल अनुमानित लागत राशि रू0 15 करोड़ से टू–लेन रोड का निर्माण किया जायेगा, इन मार्गो के निर्माण से आम जनता को आवागमन में सुविधा होगी तथा शहर का सौंदर्यीकरण भी होगा।

- अधोसंरचना मद अंतर्गत सांईस कॉलेज के बाजू से स्टेशन रोड तक अनुमानित लागत राशि रू0 5.50 करोड़ से केनाल रोड फेस–1 का निर्माण किया जावेगा, जिससे रेल्वे स्टेशन के आवागमन हेतु वर्तमान में उपलब्ध एकमात्र मार्ग के साथ–साथ वैकल्पिक मार्ग के निर्माण से आम जनता की कठिनाई का निराकरण होगा। हरिनगर, शक्तिनगर, कादंबरी नगर एवं सिकोला क्षेत्र में वर्षाकाल में पानी की समुचित निकासी हेतु राशि रू0 03 करोड़ की अनुमानित लागत से सिकोला नाला निर्माण किया जावेगा।
- छात्र–छात्राओं एवं राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सर्व सुविधा युक्त हाईटेक लाईब्रेरी के निर्माण के लिए राज्य शासन की महत्वाकांक्षी नालंदा परिसर योजना का निर्माण अनुमानित लागत राशि रू0 12 करोड़ से किया जावेगा।
- छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता भारतरत्न स्व0 श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु राज्य शासन द्वारा स्वीकृत भव्य एवं आकर्षक अटल परिसर का निर्माण जेल तिराहा ठगड़ा बांध के किनारे किया जावेगा, जो राष्ट्र निर्माण में उनके अविस्मरणीय एवं उल्लेखनीय योगदान को रेंखाकित करेंगा, जिससे आने वाली पीढ़ी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकेगी।

- शहर के सबसे प्रमुख एवं व्यस्ततम व्यवसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट–हटरी बाजार क्षेत्र में पार्किंग की गंभीर समस्या होने के कारण व्यापारियों के साथ–साथ आम जनता की बहुप्रतीक्षित मांग को हमारी परिषद की पहली सामान्य सभा में स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है, जिसे राज्य शासन से स्वीकृति उपरांत इसका निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जावेगा।
- शनिचरी बाजार में पुराने लोक कर्म कार्यालय की अनुमानित 3.5 एकड़ रिक्त भूमि पर पीपीपी मॉडल पर पालिका बाजार व्यवसायिक परिसर का निर्माण किया जावेगा, जिससे व्यवसाय के साथ–साथ रोजगार प्राप्त होगा एवं निगम की आय में वृद्धि होगी।
- नगर निगम की आय बढ़ाने तथा व्यवसाय वृद्धि हेतु नगर निगम की उपलब्ध रिक्त भूमि तथा निगम क्षेत्र में शासन की रिक्त भूमि का आबंटन प्राप्त कर व्यवसायिक परिसर का निर्माण किया जावेगा।
- राज्य शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार आम जनता के मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित किये गये ठगड़ा बांध में अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण एवं विकास कार्य हेतु अनुमानित राशि रू0 05 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- भारत सरकार द्वारा फुटपाथ व्यवसायियों हेतु प्रारंभ की गई योजनांतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स के व्यवस्थापन हेतु अनुमानित लागत राशि रू0 02 करोड़ से सर्व सुविधायुक्त स्थल विकसित किया जावेगा, जिससे इन व्यवसायियों को व्यवसाय हेतु स्थायी जगह उपलब्ध होगा, इनकी आय बढ़ेगी तथा आम जनता को भी इससे लाभ होगा।

- भक्तिपथ मार्ग का निर्माण जिसमें प्राचीन लंगूरवीर मंदिर से दुर्ग शहर की अधिष्ठात्री देवी चंडी मंदिर होते हुए शीतला मंदिर बैगापारा तथा ऐतिहासिक पुरातन किल्ला मंदिर को जोड़ने वाले परिधि क्षेत्र का विकास एवं सौंदर्यीकरण हेतु अनुमानित लागत राशि रू0 01 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- अधोसंरचना मद में शहर के प्रमुख मार्गो के चौड़ीकरण तथा उन्नयन के साथ–साथ वार्डो में रोड, नाली, पुलिया इत्यादि के मूलभूत कार्यो हेतु अनुमानित लागत राशि रू0 37 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

2. जल कार्य विभागः–

- भारत सरकार की अमृत मिशन 2.0 योजनांतर्गत सिवरेज मास्टर प्लान दुर्ग हेतु स्वीकृत योजना लागत राशि रू0 188 करोड़ के तहत् शहर के दो प्रमुख नाला– शंकर नाला में 47 एमएलडी एवं पुलगांव नाला में 30 एमएलडी क्षमता का सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट कुल लागत राशि रू0 145 करोड़ की योजना का कार्य किया जावेगा जिससे नाले के गंदे पानी का शुद्धिकरण पश्चात् उद्योग, व्यवसाय एवं नगर निगम के कार्य हेतु उपयोग किया जावेगा साथ ही शिवनाथ नदी में प्रदूषित पानी की रोकथाम होगी।
- दुर्ग शहर की जनता को निर्बाध रूप से स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हमारा प्रथम लक्ष्य है। अमृत मिशन के अतंर्गत बिछाई गई नयी पाईपलाईनों को चार्ज कर पुरानी लाईन को समाप्त करने का कार्य तेजी से कराया जायेगा, जिससे पाईपलाईन का प्रेशर बढ़ेगा। अवैध नल कनेक्शनों को चिन्हांकित कर कार्यवाही करने तथा नये नल कनेक्शनों

का विस्तार किया जायेगा, जिससे आम जनता को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी।

- 24 एवं 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में सिविल कार्य तथा 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट के ट्रांसफार्मर को आउटडोर करने हेतु अनुमानित राशि रू0 72 लाख का कार्य प्रगति पर है, जिससे आकस्मिक यांत्रिकी फाल्ट से छुटकारा मिलेगा।
- 15 वे वित्त आयोग अंतर्गत शिक्षक नगर पानी टंकी एवं पाईप लाईन विस्तार हेतु अनुमानित राशि रू0 2.82 करोड़ स्वीकृत है, पानी टंकी स्थल विवाद के समाधान के पश्चात् जल्द कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

- वर्तमान में ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट के निवारण हेतु सभी हैंडपंप, बोरवेल का क्लोरीनेशन कार्य कराया जा रहा हैं। शहर के 16 स्थानों पर स्थापित वॉटर एटीएम को चालू हालत में रखने के निर्देश दिये गये है। दुर्ग शहर के तालाबों के जल भराव हेतु जलाशय से पानी छोड़ा जा चुका हैं। सभी जलाशय क्षेत्र, नहर नाली की सफाई कार्य प्रगतिपर है। तालाबों के जल भराव से उस क्षेत्र के वॉटर लेवल में वृद्धि होती है तथा आस पास के हैंडपंप एवं बोरवेल चार्ज हो जाते हैं। आकस्मिक जल संकट की स्थिति में पानी टेंकर व्यवस्था को भी दुरूस्त किया गया है। हमारी शहरी सरकार हर परिस्थितयों पर नजर रखते हुए इस विषय पर गंभीर है और मेरा मानना है, कि दुर्ग शहर का संस्कार मूलभूत विषयो पर राजनीतिक उद्‌देश्यों को त्याग कर दलगत राजनीति से उपर उठकर दुर्ग शहर की जनता के हितों के लिए एक होकर लड़ता हैं। इसके लिए आप सभी को मेरा नमन हैं।

3. स्वास्थ्य विभागः–

जब शहर सो रहा होता है, तब हमारे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी घर घर जाकर प्रत्येक घर के कचरों को, उनके नालियों को, उनके गलियों को साफ कर चुपचाप चले जाते है। रूटिन में यह कार्य हो रहा है इसलिए आप नगर निगम की इस सेवा के प्रति गंभीर नही है, परंतु इनकी सेवा की गंभीरता का एहसास कोरोना काल में आपको महसूस हुआ होगा, जब रिश्ता भी मजबूर हो गया था एक दुसरे की सेवा के लिए, तब नगर निगम के ये हमारे जाबांज सिपाही अपनी जान की परवाह किये बिना अपना रूटिन कार्य बेपरवाह होकर कर रहे थे। डाक्टर भी अपनी सेवा का कार्य एवं परिस्थिति अनुसार फीस लेता हैं परंतु हमारी सफाई कर्मचारी इन परिस्थितियों में भी केवल सैलरी के भरोसे अपने काम को अंजाम देता है। पिछले कुछ वर्षो में स्वच्छ भारत मिशन के रैंकिग में दुर्ग नगर निगम पटरी से उतर चुका हैं। मगर फिर से हमे देश में अपने रैंक को वापस लाना है और इसके लिए आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करती हूॅ। आज दुर्ग नगर निगम की सबसे बड़ी जरूरत लैंडफिल साईट की है, परंतु पिछले कुछ महिनों से लैंडफिल साईट के संबंध में गतिरोध देखने को मिल रहा हैं, उसमें स्थायी समाधान हेतु आप सभी के समर्थन की आवश्यकता है। जनता में जो संदेश भेजा जा रहा हैं वो निगम हित में नही है। आज हम इस तैयारी में है कि शहर के प्रत्येक दिन के कचरे का निपटान उसी दिन करने की स्थिति में हैं, इस हेतु सारी तैयारियॉ की जा चुकी हैं, जरूरत है आपके सहयोग एवं समर्थन की, मुझे विश्वास है कि हम इस परिस्थिति से भी विजय पा लेंगे।

4. विद्युत एवं कर्मशाला विभागः—

मैं माननीय विधायक महोदय श्री गजेंद्र यादव जी का धन्यवाद करती हूॅ, कि उन्होने सड़क बत्ती प्रदाय के अंतर्गत 40 लाख रू0 अपनी निधि से जारी कर दुर्ग शहर के विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त किया है। भविष्य में तीन स्थानों पर हाईमास्ट लगाने हेतु अनुमानित राशि रू0 80 लाख का प्रावधान है एवं पूर्व में उल्लेखित भक्ति मार्ग हेतु अनुमानित राशि रू0 50 लाख से पोल लाईट हेतु प्रावधानित है। साथ ही बैगापारा मिनी स्टेडियम में स्थायी टावर फ्लड लाईट के लिए पर्याप्त विद्युत व्यवस्था हेतु अनुमानित राशि रू0 20 लाख का प्रावधान को शामिल किया गया है। 15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत कर्मशाला विभाग में सफाई व्यवस्था के साथ अन्य सभी अनिवार्य सेवा को बेहतर बनाने हेतु संसाधनों की खरीदी की गई हैं, जो निश्चित ही भविष्य में हमारे लिए निगम के कार्यो में लाभदायक साबित होगी। उन संसाधनों का उपयोग करने से नगर निगम स्वावलंब होकर दुर्ग शहर की जनता की सेवा हेतु समर्पित रहेगा। अभी हाल में ही पौंड क्लीनर के माध्यम से पुलगांव नाला के जलकुभियों को हटाया गया है, जिससे मैनुअल तरीके से जलकुंभी हटाने के भारी भरकम खर्चे से निजात पाते हुए मुक्ति मिली है। 15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत पौंड क्लीनर की खरीदी पुरे छत्तीसगढ़ में पहला उदाहरण है। मैं इस हेतु माननीय विधायक महोदय श्री गजेंद्र यादव जी को साधुवाद देती हूॅ।

5. पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभागः—

यह एक महत्वपूर्ण विभाग हैं, परंतु जन जागरूकता के अभाव में जनता तक संदेश पहॅुच नही पाता। इस योजना के तहत् हमने

''एक पेड़ मॉ के नाम'' के तहत् अनुमानित राशि रू0 40 लाख का प्रावधान रखा है। साथ ही विकास कार्य को प्राथमिकता से लेते हुए बड़े से बड़े वृक्षो की बलि न चढ़ाते हुए विधिवत उनके स्थानांतरण हेतु अपने बजट में अनुमानित राशि रू0 50 लाख का प्रावधान रखा है, जिससे उन वृक्षों का स्थायित्व बने रहे। शासन की योजना के अंतर्गत जगह की कमी को देखते हुए ''वर्टिकल गार्डन'' निर्माण कार्य हेतु अनुमानित राशि रू0 50 लाख का प्रावधान हमने अपने बजट में रखा है, जिसका शतप्रतिशत् आने वाले वर्षो में कियान्वयन किया जायेगा।

6. संस्कृति, पर्यटन, मनोरंजन एवं विरासत सरंक्षण विभागः—

पूर्व में सभी विभागों का लेखा जोखा आपने समझ लिया है, परंतु ये विभाग आपको कुछ अटपटा सा नया लग रहा है। लेकिन इस विभाग की भी निकाय की अपनी अलग पहचान है। ये वो विभाग है, जो हमको अपनेपन का एहसास दिलाता है। ये संदेश देता, कि नगर निगम आपका परिवार हैं, जिसके माध्यम से आप अपने अंदर की प्रतिभा को देश दुनिया में ले जा सकते हैं, चाहे वो सावन मेला हो, महिला दिवस हो, बाल मेला हो, नाट्य कला हो या फिर बहु चर्चित दुर्ग आयडल हो सभी कार्यक्रमों के माध्यम से दुर्ग नगर निगम के आयोजन से प्रतिभाओं में अपनी जगह बनाई है। मैं आपसे अनुरोध करती हूॅ, कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभाओं को उचित मंच देने का प्रयास करें।

7. राजस्व विभागः—

राजस्व विभाग नगरीय निकाय का सबसे महत्वपूर्ण विभाग है। निकाय को सुचारू रूप से संचालन में विभाग का महत्वपूर्ण योगदान होता है। संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर ,निर्यातकर, दुकानों का किराया, भवन भूखंड, दुकानों की बिक्री, प्रीमियम भवन, कालोनी

अनुज्ञा, विज्ञापन होर्डिंग से आय, पार्किंग, पशु पंजीयन प्रदर्शनी कर, यूजर चार्जेस एवं अन्य आय से वसूली से निगम का वित्तीय प्रबंधन मजबूत होता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के चालू मांग अनुसार 2376.78 लाख के लक्ष्य एवं चालू मांग 2024–25 आज दिनांक 27. 03.2025 तक कुल 3964.7 लाख के मांग पर 3454.9 लाख की वसूली की जा चुकी हैं, जिसका प्रतिशत 87.14 हैं। हमारे राजस्व विभाग के जांबाज सिपाही विगत तीन माह से लगातार अवकाश के दिनों में राजस्व वसूली के कार्य में संलग्न है, मैं उनके जज्बे को सलाम करती हूॅं, मुझे पूरा विश्वास है, कि 31 मार्च तक अपने टारगेट को पूरा करने में कोई कसर नही छोड़ेगे।

मानननीय सभापति जी ,

अब मैं बजट के तथ्यों को आपके समक्ष रख रही हूॅं। इस बजट में आगामी वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए समस्त स्त्रोतों एवं ऋण अनुदान से प्राप्ति के रूप में 5 अरब 19 करोड़ 52 लाख का प्रावधान किया गया है तथा अनुमानित प्रारंभिक शेष 01 अरब 28 करोड़ 08 लाख, इस प्रकार कुल आय 6 अरब 47 करोड़ 61 लाख रू0 दर्शाया गया है। व्यय शीर्ष में विभिन्न मदों में 5 अरब 19 करोड़ 57 लाख रू0 एवं अंतिम शेष 1 अरब 28 करोड़ 03 लाख का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार आगामी वर्ष 2025–26 के लिए कुल 647.61 करोड़ का बजट अनुमानित किया गया है, जिसके आय पक्ष में राजस्व आय 177.45 करोड़ एवं पूंजीगत आय 342.07 करोड़ तथा इसके विरूद्ध राजस्व व्यय 177.39 करोड़ एवं पूंजीगत व्यय 342.18 करोड़ रखा गया है। इस प्रकार 4.95 लाख का हानि का बजट आपके समक्ष प्रस्तुत है।

मुख्य मुख्य विषय वस्तु एवं उस पर प्रावधानित बजट निम्नानुसारः–

- प्रमुख मार्ग, नाली एवं 10 एसएलआरएम सेंटर निर्माण :–25 करोड़
- अमृत मिशन अंतर्गत एसटीपी प्लांट स्थापना कार्य :– 60 करोड़
- नगर उत्थान योजना के तहत् प्रमुख मार्गो का निर्माण एवं विकास कार्यः– 25 करोड़
- मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत सांईस कॉलेज से स्टेशन तक केनाल रोड निर्माण :– 5.50 करोड़
- इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण :– 05 करोड़
- सिकोल नाला सुदृढ़िकरण कार्य :– 01 करोड़
- अटल परिसर निर्माण :– 01 करोड़
- मुख्यमंत्री पालिका बाजार योजना शनिचरी बाजार :– 01 करोड़
- भक्तिपथ निर्माण :– 01 करोड़
- सेनेटरी लैंड फिल्ड का विकास :– 01 करोड़
- प्रधानमंत्री आवास योजना एएचपी, बीएलसी :– 18 करोड़
- रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापना :– 25 लाख
- नालंदा परिसर निर्माण :– 05 करोड़
- सरोवर धरोहर योजना तालाब सौंदर्यीकरण :– 06 करोड़
- पुलगांव में डीडीआरसी एवं वृद्धाश्रम निर्माण :– 04 करोड़
- प्रमुख मार्ग चौड़ीकरण एवं चौराहो का सौंदर्यीकरण :– 08 करोड़
- स्वच्छ भारत मिशन के तहत् पे एंड यूज शौचालय :– 05 करोड़
- सिंचाई विभाग को नहरी पानी का भुगतान :′– 4 करोड़
- सांसद निधि :– 50 लाख
- विधायक निधि :– 03 करोड़
- महापौर निधि :– 1.125 करोड़
- पार्षद निधि एवं एल्डरमेन निधि :– 4.05 करोड़
- निगम कार्यालय भवन :– 02 करोड़
- पाईपलाईन विस्तार एवं शिफ्टिंग :– 02 करोड़

  का प्रावधान किया गया है।

इस वर्ष का बजट भी अत्यंत सूक्ष्मता से सभी पक्षों को ध्यान में रखकर, सभी सुझावों को स्थान देकर तैयार किया गया है। आगे भी माननीय विधायक महोदय एवं पक्ष विपक्ष के जनप्रतिनिधियों सम्माननीय नागरिकों द्वारा दिये गये शहर विकास के सुझावों को निश्चित रूप से बजट में शामिल किया जायेगा।

......और अंत में मैं आप सभी और सम्माननीय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पत्रकार बंधुओं व आम जनता का धन्यवाद देती हूं कि आप सबके सहयोग से इस शहर की जनता की सेवा करने का अवसर एवं आर्शीवाद हमेशा मिलता रहेगा । अंत में ये पंक्ति आप सभी को समर्पित करती हूॅं....................

‘‘ विकास का स्वप्न संजो कर, मेरी पहली पारी है‘‘
‘‘ संगठन का दामन थामकर, सघर्ष अभी जारी है‘‘

हमारी परिषद का वर्ष 2025–26 का बजट खुशहाली एवं समृद्धि का बजट है। जनता की उम्मीदों और अपेक्षाओं का बजट है। अगले वर्ष की कार्ययोजना, विकास के पहियें को गतिशील रखते हुए जनता के विश्वास का बजट है। इसलिए बजट के वर्ष 2025–26 के बजट का परीक्षण उपस्थित सदन के भाईयों, बहनों एवं दुर्ग शहर की जनता को समर्पित करती हूॅं।

सभापति महोदय आपके माध्यम से मैं सदन से आग्रह करती हूं कि बजट 2025–26 को अंगीकृत करने का कष्ट करें। इसी निवेदन के साथ सामान्य सभा में यह बजट प्रस्तुत करते हुए अपनी वाणी को विराम देती हूं।

स्थानः–मोतीलाल वोरा सभागार, दुर्ग (अलका बाघमार)
दिनांक 28.03.2025 महापौर–दुर्ग

नगर पालिक निगम, दुर्ग

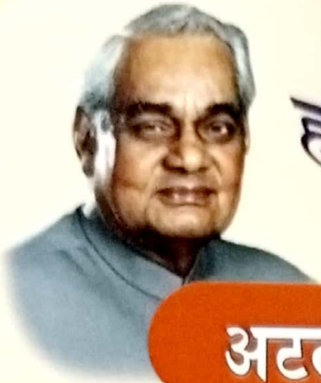

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

अटल घोषणा पत्र 2025-26

महिलाओं को 25% टैक्स में छूट -

शहर के जिन महिलाओं के नाम से संपत्ति/मकान है, उन महिलाओं को संपत्ति कर की राशि पर 25% छूट प्रदान की जायेगी।

मल्टीनेशनल पार्किंग - इंदिरा मार्केट

शहर के इंदिरा मार्केट एवं जिला आयुर्वेदिक औषधालय में मल्टीनेशनल पार्किंग का निर्माण किया जायेगा।

छात्राओं को सिनेटरी नेपकीन मशीन -

दुर्ग नगरीय निकाय क्षेत्रान्तर्गत स्कूल एवं कालेज के छात्राओं के लिए सेनेटरी नेपकीन मशीन की स्थापना की जायेगी।

पिंक टायलेट का निर्माण -

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों तथा धार्मिक स्थल के आस-पास महिलाओं के लिए पिंक टायलेट का निर्माण किया जायेगा।

महिलाओं के लिए बर्तन बैंक की स्थापना -

इस योजना में महतारी वंदन के अंतर्गत 10 महिलाओं का समूह बनाकर इस समूह को दो से तीन लाख रुपये का बर्तन सामग्री खरीदी हेतु ऋण सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा।

आयुर्वेदिक पार्क का निर्माण -

इस योजना के अंतर्गत नगरीय निकाय क्षेत्र में स्थित गार्डन को आयुर्वेदिक गार्डन के रुप में विकसित किया जायेगा।

"महापौर माई सिटी एप" योजना -

महापौर माई सिटी एप योजनान्तर्गत निगम/शासन की योजना की जानकारी शहर की आम जनता को घर बैठे प्राप्त होगी, साथ ही निगम के करों का भुगतान ऑनलाईन प्रणाली से कर सकेंगे।

महापौर सम्मान निधि योजना -

इस योजना के अंतर्गत यूपीएससी (प्रारंभिक परीक्षा) में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरुप 1.00 लाख रुपये (अक्षरी एक लाख रुपये) प्रदान किया जायेगा।

(श्रीमती अलका बाघमार)	(नरेन्द्र बंजारे)	(श्याम शर्मा)
महापौर	प्रभारी-वित्त, लेखा एवं अंकेक्षण	सभापति

Scanned with CamScanner